



دَدِي دَمِي كِرِ اِرِدِي سَرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

1. (-) دَرِ دِي سِرِ سِرِ سِرِ 7/2010 (قَرَفِ سِرِ سِرِ اِرِدِي قَرَفِ سِرِ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ) 151 وَسَرِ دَرِ قَرَفِ سِرِ نَارِ سِمْبَرَةٍ وَسِرِ سِرِ قَرَفِ سِرِ سِرِ سِرِ قَرَفِ سِرِ سِرِ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ (1) اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ نَارِ سِمْبَرَةٍ اِنْدَا قَرَفِ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِنْدَا قَرَفِ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

(س) دَرِ يَوْ اِخِرِ نَارِ سِمْبَرَةٍ، "دَدِي دَمِي كِرِ اِرِدِي سَرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ" اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

2. دَرِ يَوْ اِخِرِ نَارِ سِمْبَرَةٍ اِنْدَا قَرَفِ سِرِ سِرِ سِرِ، دَرِ يَوْ اِخِرِ قَرَفِ سِرِ سِرِ سِرِ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ قَرَفِ سِرِ سِرِ سِرِ سِرِ

3. (-) اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

(س) اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

(س) دَدِي دَمِي كِرِ اِرِدِي سَرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

(س) دَرِ يَوْ اِخِرِ نَارِ سِمْبَرَةٍ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ اِسْمُ سِرِ سِرِ سِرِ اِسْمُ سِرِ رِمِنَا مَعَدَدِكَا يَوْ اِخِرِ

չի կարողանա արժանացնել իր ժողովրդին և իր երկրին: Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

(Թ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

(Ե) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

4. (Բ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

(Տ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

5. (Բ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

(Տ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

6. (Բ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

(Բ) Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

7. Երկրորդը՝ ինչպե՞ս կարող ենք մենք օգտագործել իրենց փորձը, որպեսզի մենք չկորցնենք իրենց փորձը:

